

## BOOK II.

### CHAP. I.

1 वर्गाः पृथ्वी पुर द्वाभ्यङ्गनौषधि मृगादिभिः

नृव्रक्ष क्षत्र विट् प्रद्वैः सांगोपगैरिहोदिताः

Earth.

2 भूर्भूमिरुचलाऽनन्ता रसा विश्वम्भरा स्थिरा \*अ-

धरा धरित्री धरणिः क्षोणी ज्या काश्यपी क्षितिः

3 सर्वसहा वसुमती वसुधोर्वी वसुन्धरा †धा. ‡उ-

गोत्रा कुः पृथिवी पृथ्वी द्वाऽवनिर्मेदिनी मही †मे-

Soil.

4 मृन्दत्तिका †मृद-

An excellent soil.

(प्रशस्ता तु मृत्ता मृत्ना च मृत्तिका)

Fertile with every crop.

उर्वरा (सर्व प्रसादात्)

1 Also भूमी.

2 Likewise धरणी and क्षोणी.

3 Also अवनी.

4 Likewise महिः.